गणेश ध्यानम्

गजाननं भूतगणादिसेवितं
कपित्थजम्बूफलचारुभक्षणम् ।
उमासुतं शोकविनाशकारकं
नमामि विघ्नेश्वरपादपङ्कजम् ॥
हरिः ॐ ॥

भूत-प्रेतादिगणों द्वारा सेवित, कैथ एवं जामुन के फलों का उत्तम भोजन करने वाले,
शोक का नाश करने वाले, सर्व विघ्नों को दूर करने वाले,
देवी उमा के पुत्र, गजानन श्रीगणेश के चरण-कमलों में मैं नमन करता हूँ।

© २०२१ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।